सदैव देने वाला है जैन समाज

भारतीय जैन संगठन का कार्य अनुकरणीय है
बीजेएस के राष्ट्रीय अधिवेशन में देवेंद्र फडणवीस ने गिनाई उपलब्धियां

विदर्भ स्वाभिमान,११ दिसंबर

पुणे–भारत में कम संख्या में रहने के बाद भी जैन समाज का उल्लेख देने वाले समाज के रूप में करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय जैन संगठन तथा जैन समाज द्वारा किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक, मानवीय और पर्यावरण के कार्यों की जमकर सराहना की. बीजेएस के संस्थापक शांतिलाल मुथा के मार्गदर्शन में इस संगठन द्वारा जारी मानव सेवी, छात्र हितैषी, पर्यावरण हितैषी विभिन्न उपक्रमों की सराहना करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जैन समाज को लेकर बचपन से ही उनके दिल में अपार प्रेम है. यह भारत का ऐसा समाज है, जो सदैव देने में विश्वास रखता है. संगठन के साथ अपने करीबी संबंधों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जैन संगठन द्वारा गरीब, आदिवासी, अनाथ बच्चों के साथ आत्महत्या करने वाले किसानों के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का मामला हो, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा आने के बाद संबंधित क्षेत्र में राहत व बचाव कार्य में सरकारी यंत्रणा के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतरीन कार्य करने की बात हो अथवा समाज में जागरूकता लाने का प्रयास हो, इस संगठन के कार्यों की जितनी सराहना की जाए कम है. उन्होंने मुथा के साथ करीबी का जिक्र करते हुए कहा कि यह संगठन सदैव सकारात्मक सोच के साथ ही आगे बढ़ता है और सभी समाज के कल्याण की दिशा में प्रयास करता है.

सदैव साथ रहने का भरोसा दिलाया

संगठन को मानव प्रेमी, राष्ट्र प्रेमी तथा पर्यावरण प्रेमी बताते हुए भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संगठन के कार्यों से प्रभावित होकर ही उन्होंने सदैव हरसंभव सहयोग दिया है और सदैव देते रहेंगे. आप आगे बढ़ो हम आपके साथ हैं का नारा देते हुए उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यों से प्रभावित होकर तमाम व्यस्तता के बावजूद भी भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अधिवेशन में स्वयं को शामिल करने से नहीं रोक पाए. उनके मुताबिक पहले से ही उनका स्वभाव है अच्छाई के लिए वे सदैव योगदान देने के लिए तत्पर रहते हैं. भारतीय जैन संगठन का कार्य भी राष्ट्र प्रेम, समाज प्रेम तथा मानवता एवं प्रकृति से युक्त रहने के कारण उन्होंने सदैव इस संगठन की न केवल इज्जत की है बल्कि इसके नेक काम में योगदान देने का सदैव प्रयास करते हैं. देवेंद्र फडणवीस ने हर क्षेत्र में बीजेएस के व्यापक कार्य की सराहना की और कहा कि इस संगठन ने सदैव सरकार के साथ मिलकर बिना किसी तरह की निधि लिए अपनी ओर से बेहतरीन कार्य करने का प्रयास किया है.

इसके संस्थापक प्रमुख शांतिलाल मुथा को अत्यधिक करीबी बताते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शांतिलाल मुथा द्वारा महाराष्ट्र में जलस्तर बढ़ाने के लिए किए गए कार्यों से प्रभावित होकर भारत सरकार ने भूजल स्तर बढ़ाने के लिए देश के १०० जिलों का काम दिया है. यह संगठन जलस्तर बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है. पुणे में हुए बीजेएस के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन देवेंद्र फडणवीस के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार,लोकमत मीडिया ग्रुप के अध्यक्ष व पूर्व सांसद विजय दर्डा, जाने–माने अभिनेता और पाणी फाउंडेशन के प्रमुख आमिर खान, बीजेएस के संस्थापक प्रमुख शांतिलाल मुथा सहित कई दिग्गज नेता, समाजसेवी उपस्थित थे. दो दिवसीय इस राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के साथ देश के विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई.

अमरावती–शहर की अकोली रोड स्थित पुरुषोत्तम नगर में स्थित श्री नर्मदेश्वर शिव मंदिर का रात का मनोहारी नजर. मंदिर का निर्माण हुए अभी कुछ साल ही हुए लेकिन जिस तरह से तेजी से कार्य किया गया उसके चलते मंदिर में भक्तों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. सोमवार को सुबह तथा शाम की आरती में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं.

संत अच्युत महाराज का १५० करोड़ का नाम जप

१०८ कुंडीय यज्ञ में उमड़े भक्त

अमरावती–तिवसा तहसील के श्री क्षेत्र शेंदुरजना बाजार में संत अच्युत महाराज की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित उत्सव में बनाए गए १०८ हवन कुंडों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। यह गतिविधि सोमवार को शुरू हुई। इनके माध्यम से विदर्भ के महान संत अच्युत महाराज के नाम का १५० करोड़ जप हो रहा है। धार्मिक आयोजनों से पूरा क्षेत्र से पवित्र बन गया है।

संत अच्युत महाराज की इस पवित्र भूमि पर, श्री क्षेत्र शेंदुरजना बाजार गांव में ओम श्री अच्युताय नमः का जाप होम–हवन कुंड के माध्यम से शुरू है।१५० करोड़ का नाम जप एक–दो नहीं बल्कि १०८ कुंडीय यज्ञ में किया जा रहा है। सभा भवन में प्रतिदिन सुबह से शाम तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने से यहां भक्तिमय माहौल बन गया है और यात्रा का स्वरूप देखते ही बन रहा है। राज्यभर से बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंच रहे हैं। यहां सोमवार ९ दिसंबर से भव्य तरीके से यज्ञ शुरू हुआ है। यज्ञ १३ दिसंबर यानी ५ दिनों तक रखा गया है और इसमें १०८ दम्पति सहभागी हैं। इस कुंड पर गणपति पूजन, पुण्य वचन, मातृका पूजन, नंदीश्रद्धा विग्रह की स्थापना की गयी है। सोमवार को यज्ञ का शुभारंभ आचार्य सत्रे गुरुजी व ब्रम्हवृंद के हाथों शुरू किया गया।यज्ञ का याज्ञिक आयोजन दिनकर बेंडे,शुभदा पोतदार,घनश्याम पायघन,किरण मोकासदार,लक्ष्मीकांत वेरुलकर ने किया है। ओम अच्युताय नमः का नामजप सुबह ९ ते १२ बजे के बीच किया जा रहा है। मंगलवार १० दिसंबर को प्रधान देवता स्थापित कर हवन किया गया। सभी कार्यक्रमों का भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

अधिवेशन जैन समाज का लेकिन चिंतन मनन सर्व समाज के लिए

सुदर्शन जैन, विश्वस्त भारतीय जैन संगठन

भारतीय जैन संगठन के केवल नाम में ही जैन शब्द का उल्लेख है लेकिन इस संगठन का कार्य जैन समाज की परिधि तक ही सीमित न रखते हुए सर्व समाज और सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय पर आधारित है।पुणे में विगत दिनों हुए भारतीय जैन संगठन के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान ३००० से अधिक प्रतिनिधियों के उपस्थिति में जहां विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की गई वहीं,

युवा पीढ़ी पर विश्वास रखने के साथ ही उनकी काबिलियत और समय पर विवाह जैसे विषयों पर भी मान्यवरों द्वारा समुचित मार्गदर्शन किया गया।

इस अधिवेशन की शुरुआत में भारतीय जैन संगठन की प्रबंध संचालिका कोमल जैन ने जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की पांच पीढ़ी का जिक्र करते हुए समय के मुताबिक स्वयं में बदलाव लाने पर जोर दिया वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता देवेंद्रजी फडणवीस ने सामाजिक, आपदा संबंधी कार्य और पर्यावरण संतुलन तथा जल स्तर बढ़ाने के लिए भारतीय जैन संगठन द्वारा किए गए कार्यों की न केवल सराहना की बल्कि इस तरह की पहल की आज के दौर में सबसे अधिक आवश्यकता बताई।अधिवेशन के दो दिन के दौरान फिल्म अभिनेता और पानी फाउंडेशन के माध्यम से जलस्तर बढ़ाने के लिए भारतीय जैन संगठन के साथ मिलकर किए गए काम का गौरवपूर्ण उल्लेख परफ़ेक्निस्ट आमिर खान ने किया. पिछले ८ वर्षों के दौरान भारतीय जैन संगठन से जुड़ने और इस संगठन के माध्यम से जल स्तर बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों का अनुभव जहां उन्होंने सभी उपस्थितियों के समक्ष विस्तार समझाया , वही जल है तो कल है को ध्यान में रखते हुए सभी नागरिकों से इसमें योगदान देने और पर्यावरण संतुलन में योगदान देने का आग्रह किया।

अधिवेशन के पहले और दूसरे दिन विभिन्न सामाजिक विषयों पर जहां मंथन किया गया वहीं समाज के साथ ही सभी समाज की प्रगति के बारे में भी चिंतन मनन किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नंदकिशोर सांखला एव उनकी संपूर्ण टीम को तथा विभिन्न प्रांत अध्यक्षों को संगठन के विश्वस्त सुदर्शन जैन ने शपथ ग्रहण करवाया. कुल मिलाकर भारतीय जैन संगठन का यह दो दिवसीय अधिवेशन समाज के साथ ही सर्व समाज के कल्याण और सर्वजन हिताय तथा सर्वजन सुखाय का माध्यम बन गया. संगठन द्वारा दिया गया किट जहां उनकी दूरदर्शीता का परिचायक है, वहीं विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों का आईना कहना गलत नहीं होगा. सम्पूर्ण अधिवेशन में संस्थापक अध्यक्ष श्री शांतिलालजी मुथा की भारतवर्ष के निर्माण में दूरदर्शिता की सोच नजर आयी वही उनके सामाजिक कार्य,दूरदर्शी विचार सुनकर, समझकर उपस्थित प्रसन्न हुए।पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड़ इनका बिदायी संभाषण बहुत भावपूर्ण रहा।लोगोने उसे खूब सराया। पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल पारख इनका दो दिवसीय संचालन जहाँ उत्कृष्ट रहा वही ऐतिहासिक जानकारी युक्त भी रहा। बीजेएस के सभी कर्मयोगीयो का परिश्रम सफल हुआ। अधिवेशन के नियोजन आयोजन की उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

गुरुकृपा कॉलनी में दत्त जयंती – अमरावती शहर के गुरुकृपा कॉलनी, गोपाल नगर में श्री दत्तप्रभु मंदीर प्रांगण में दत्त जयंती उत्सव मनाया जा रहा है. इस दौरान किरण महाराज देशमुख प्रवचन के माध्यम से भगवान दत्त के जीवन पर जहां मार्गदर्शन कर रहे हैं वहीं सुबह से लेकर रात तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. कथा सुनने के लिए क्षेत्र ही नहीं बल्की आस-पास के नगर एवं् कालोनियों के भक्त उपस्थित हुए हैं.

बदल रही है युवाओं की सोच, चाहते हैं भय, भ्रष्टाचार मुक्त समाज

युवा शक्ति देश और समाज की रीढ़ होती है। युवा देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। युवा देश का वर्तमान हैं, तो भूतकाल और भविष्य के सेतु भी हैं। युवा गहन ऊर्जा और उच्च महत्वाकांक्षाओं से भरे हुए होते हैं। उनकी आंखों में भविष्य के इंद्रधनुषी स्वप्न होते हैं। समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का ही होता है। युवा बेहतर भविष्य के लिए मतदान के माध्यम से ईमानदार और विकासपरक सोच वाले प्रतिनिधि को चुनने और भ्रष्ट लोगों का सामाजिक दुत्कार को पहली सीढ़ी मानते हैं। समाज में तेजी से आ रहे बदलाव के प्रति बड़ी संख्या में युवाओं का नजरिया शार्टकट की बजाय कर्म और श्रम के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की ओर होना जरूरी है।

स्वामी विवेकानंद की सोच थी किसी वर्ग विशेष को लेकर नहीं बल्कि समग्र विश्व को उत्थान की ओर ले जाना है। आज की बिगड़ती सामाजिक स्थिति में युवा पीढ़ी को उनके विचार आत्मसात करने की जरूरत है तभी युवा वर्ग समाज और देश को प्रगति की ओर ले जा सकेगा। युवा देश के कर्णधार हैं, अत: उन्हें यह जिम्मेदारी समझनी ही होगी। आज विश्वभर में अधिकतर युवा विलासिता और सुख-सुविधा को देखते हुए अपनी देश की जमीन को छोड़कर दूसरी जगह जा रहे हैं। जिससे राष्ट्र निर्माण में दिक्कतें आ रही हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं और विशेषकर भारत जैसे महान राष्ट्र की ऊर्जा तो युवाओं में ही निहित है।

सबको आगे जाने की जल्दी है। इसके लिए छोटे रास्ते अपनाए जाते हैं, लाइनें टूटती हैं, नियम बिखरते हैं। नियमों को सुधारने के लिए आंदोलन हुए, लेकिन यह बात दूर तलक नहीं गई। वहीं आकर रुक गई, जहां से निकली थी। प्रश्न है कि क्या जो हो रहा है, उसे ऐसे ही होने दिया जाए। शायद नहीं, ऐसा आखिर कब तक चलता रहेगा। क्या हम ईमानदारी से भ्रष्टाचार से लड़ने की ताकत या नीयत रखते हैं। ऐसा अभी तो बिल्कुल दिखाई नहीं देता है। दरअसल भ्रष्टाचार तो हमारी आत्मा में बसा है। यह सौ फीसदी कड़वी सच्चाई है। यहां भ्रष्टाचार को सिर्फ आर्थिक ऑष्टिकोण से देखना गलत होगा। यह हमारे समाज, हमारे चरित्र, हमारी सोच और हमारे कर्म में रच-बस गया है। स्वयं में सुधार हम खुद ही ला सकते हैं। हम बदलेंगे, तो ही देश बदलेगा और तरक्की करेगा।

भ्रष्टाचार को समाप्त कर दें युवाओं का मौका

भविष्य उनके हाथ में है। मेरा भारत महान पंक्तियों को सार्थक करने के लिए युवाओं को पहल करनी होगी। युवाओं को तभी मौका मिलेगा जब भ्रष्टाचार खत्म होगा। इसके लिए सबसे पहला उपाय ईमानदार और विकासोन्मुख व्यक्ति को चुनना है। उनका सपना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बने। इसके लिए चाहिए कि अपने हर कार्य को ईमानदारी और निष्ठा से करें। औरों से अपेक्षा करने से पहले खुद इस पर अमल करें। सभी को समान अवसर मिलें और हर एक की मेहनत को सम्मान मिले। वह चाहते हैं कि देश में सभी के पास उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार हो, ताकि अपराध कम हो सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। शिक्षित समाज ही देश के विकास की गति तीव्र करेगा।

श्री सोमेश्वर संस्थान भाजी बाजार, अमरावती की ५० करोड़ की कृषि भूमि हड़पने के मामले में स्टेटस को आदेश

अमरावती, १२ दिसंबर - अमरावती स्थित श्री सोमेश्वर महादेव संस्थान की ५० करोड़ की जमीन तहसीलदार के अवैध आदेश के तहत मात्र ९६० रुपये में बेची गई थी। इस आदेश के खिलाफ दायर अपील में अमरावती के वर्तमान उपविभागीय अधिकारी के न्यायालय ने ११ दिसंबर २०२४ को स्टेटस को (यथास्थिति बनाए रखने का) आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत संबंधित जमीन को किसी तीसरे पक्ष को हस्तांतरित करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मामला क्या था?

श्री सोमेश्वर संस्थान, भाजी बाजार, अमरावती के स्वामित्व में मौजा पेठ अमरावती में सर्वे नंबर ९४ की कृषि भूमि है। इस भूमि को हड़पने के इरादे से सुमन कोठारे ने तहसीलदार अमरावती के समक्ष एक अवैध मामला दर्ज किया था। इस मामले में तहसीलदार विजय लोखंडे ने कुल कानून की प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए, महानगरपालिका सीमा में आने वाली इस भूमि को, जो धार्मिक और धर्मार्थ संस्थाओं के स्वामित्व में थी, कुल कानून के तहत अवैध रूप से शामिल कर, किसी भी साक्ष्य या सबूत के बिना मात्र ९६० रुपये में बेचने का आदेश दिया था।

इस आदेश के खिलाफ संस्थान की ओर से अपील दायर की गई थी। चुनाव अवधि के दौरान इस अपील की सुनवाई नहीं हुई। लेकिन इसी दौरान मंडल अधिकारी चतुर ने फेरफार मामले में सरकार के परिपत्र के अनुसार कार्रवाई न करते हुए अवैध रूप से फेरफार प्रक्रिया पूरी की और भूमि की भू-धारण पद्धती को वर्ग-२ के बजाय वर्ग-१ में दर्ज किया। मंदिर महासंघ के प्रयास और शिकायत के चलते भूमि की भू-धारण पद्धती को वापस वर्ग-२ किया गया।

इस मामले में संस्थान का पक्ष रखने के लिए एडवोकेट श्री रमणजी जयस्वाल ने तर्क प्रस्तुत किए। सुनवाई के दौरान संस्थान के ट्रस्टी श्री राजेशजी असोरिया, श्री अमोलजी इंगोले, श्री रविंद्रजी डहाके और महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के राज्य पदाधिकारी श्री अनुप जयस्वाल उपस्थित थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस आदेश से श्री सोमेश्वर संस्थान की भूमि के अधिकारों को बनाए रखने में बड़ी मदद मिलेगी।

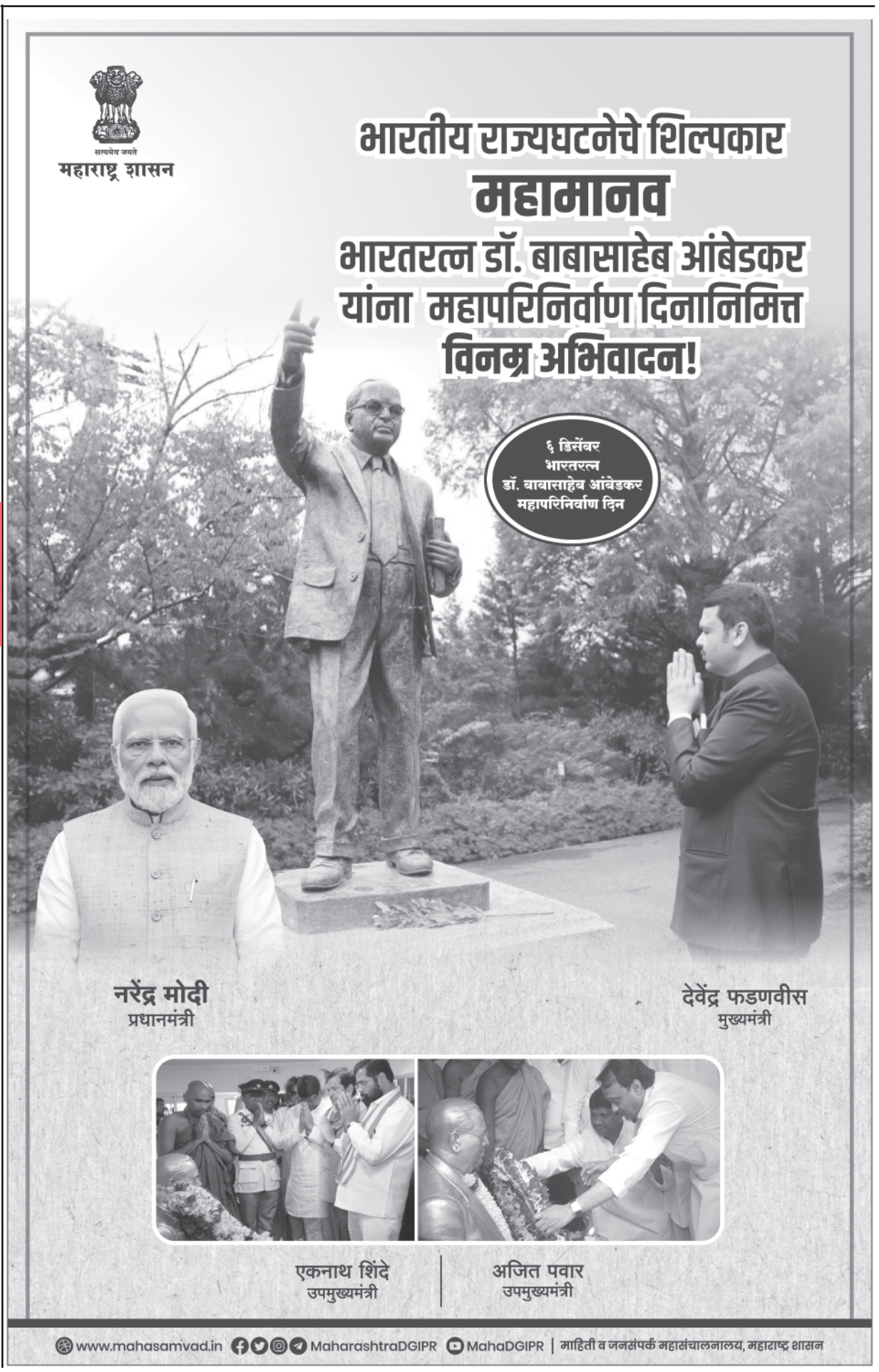

युवा पीढ़ी को कोसने की बजाय उनमें भरोसा जताएं

बीजेएस के संस्थापक शांतिलाल मुथा की सलाह

विदर्भ स्वाभिमान,११ दिसंबर

पुणे- आज की युवा पीढ़ी को हम अक्सर कोसते रहते हैं, सदैव ताना मारते हैं कि वह जीवन में क्या करेंगे लेकिन हमारी तुलना में वर्तमान युवा पीढ़ी कई गुना अधिक समझदार और काबिल है. ऐसे में युवा पीढ़ी को कोसने की बजाय अगर हम उन्हें फैसला लेने का अधिकार दें और युवाओं को प्रोत्साहित करें तो निश्चित तौर पर यह युवा पीढ़ी परिवार और राष्ट्र के लिए बेहतरीन कार्य कर सकती है. इस आशय का मत भारतीय जैन संगठन के संस्थापक प्रमुख शांतिलाल मुथा ने किया.

पुणे में संगठन के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के युवाओं को सजातीय जीवनसाथी सुनने की सलाह देते हुए शादी के लिए २० से २२ साल की उम्र को योग्य बताया. अपनी जीवन संगिनी स्वयं चुनने की जिम्मेदारी युवाओं पर डालने की सलाह माता-पिता को देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में समय का सर्वाधिक महत्व होता है. युवाओं में समझदारी तेजी से बढ़ रही है. वर्तमान में युवा पीढ़ी पर अविश्वास करने की मानसिकता तेजी से बढ़ी है. उन्होंने अपनी पोती का उदाहरण देते हुए कहा कि आज मोबाइल के फंक्शनिंग में जितनी जानकारी उन्हें नहीं है उससे अधिक जानकारी उनकी नन्ही सी पोती रखती है. वर्तमान युवक एवं युवतियां अत्यधिक बुद्धिमान और समझदार होने की बात कहते हुए बीजेएस प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी पर जब हम विश्वास करेंगे तो निश्चित तौर पर समाज के लिए और राष्ट्र के लिए इसके बेहतरीन परिणाम आएंगे. जीवन में समय पर किया गया कार्य सदैव बेहतरीन परिणाम देता है. आज युवा पीढ़ी काफी बुद्धिमान और अपडेट रहती है. घर में हम ताना मारने वाली प्रवृत्ति बंद कर दें तो आधी से ज्यादा समस्या का समाधान हो सकता है.

भारतीय जैन संगठन के सामाजिक कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन में संस्कारों का सर्वाधिक महत्व होता है. हम अपने बेटे-बेटियों को कोसते समय अक्सर यह भूल जाते हैं कि हमारे बच्चों को बचपन में संस्कार देने की जिम्मेदारी भी तो हमारी ही थी. आज अपने बच्चों को डॉक्टर और इंजीनियर बनाने की स्पर्धा के बीच उसे बेहतरीन इंसान बनाना हम भूल गये हैं. उसे हमारी संस्कृति, परंपराएं और अन्य महत्वपूर्ण बातों को बताना ही हम भूल गए हैं. ऐसे में बचपन के संस्कार भूले यह बच्चे युवावस्था में जब कोई गलती करते हैं तो हम उन्हें फटकारते हैं. बच्चों को हम जिस सांचे में ढालेंगे वह उसी तरह बनेंगे.

इस सत्र में युवाओं के विभिन्न समस्याओं, पारिवारिक स्थिति और समाज तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्य के बारे में मार्गदर्शन किया गया. दो दिवसीय यह अधिवेशन भले ही जैन समाज का था लेकिन सर्वसमाज के हित की चर्चा इसमें की गई. बेहतरीन आयोजन और नियोजन की देश भर से उपस्थित जैन समाज बंधूओं व अतिथियों ने सराहना की.

राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब की प्रेरणा

अर्हम युवा सेवा ग्रुप का शीतकालीन ब्लैकेंट वितरण महा प्रकल्प प्रारंभ

राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब की प्रेरणा से अर्हम युवा सेवा ग्रुप की भारत भर में फैली शाखाओं द्वारा कंपकंपाती ठंड में दुर्गम क्षेत्रों में जरूरतमंद हेतु शीतकालीन मेगा ब्लैंकेट वितरण महा प्रकल्प का प्रारंभ किया गया।

इसी श्रृंखला में अर्हम युवा सेवा ग्रुप द्वारा बडनेरा के समीप वडगांव जिरे,पार्डी,अळगांव बुजुर्ग,टिमटाला जैसे इन छोटे-छोटे गांवों के अभावग्रस्त,असहाय,विकलांग,वृद्ध जनों में २०० ब्लैंकेट का वितरण किया गया। अर्हम सेवकों द्वारा कुछ गांवों में घर घर जाकर तो कुछ गांवों में उन्हें एक स्थान पर एकत्रित कर, नमस्कार मंत्र के स्मरण और शुभ हो सकल विश्व का,विश्व मंगल की इस भावना के साथ व पूर्णतः विनय आदर भाव से ग्रामवासियों को ब्लैंकेट अर्पण किए गए। जैसे ही इन जरूरतमंद ग्रामीणों के हाथों में ब्लैंकेट प्रदान किए गए वैसे ही उनके चेहरें प्यार भरी मुस्कान से खिल गए। कुछ बड़े बुजुर्ग तो अवाक हो गये जैसे अचानक ही प्रभु की कृपा बरसी और ठंड से राहत का ब्लैंकेट पा लिया। सेवा का सन्मार्ग बताने वाले परम गुरुदेव के अनंत उपकारों का स्मरण करते हुए अर्हम सेवकों ने भाव वंदन प्रेषित किए। इस उपक्रम को सफल बनाने में बडनेरा के अर्हम सेवक श्री नितिन भाई दोशी ने अथक प्रयत्न किए। हरेक गांव के असहाय जरुरतमंद तक पहुंचने में जिन्होंने सहयोग दिया उनमें अजय मेश्राम,राहुल मेंदे,दिलीप पाटिल, श्याम पाटिल इन सेवा भावी कार्यकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अर्हम सेवकों ने भाव से उनकी अनुमोदना की। सेवा के इस महा उपक्रम को निमिष भाई संघाणी, नितिन भाई दोशी,विकास भाई देसाई, देवेन भाई सिरासाव,जयेश भाई कोठारी,भव्य भाई धुवाविया, सौम्या,निकिता धुवाविया,मेघा दीदी टप्पे,विणाबेन सिरासाव,उमा दीदी केडिया,राजुल दीदी देसाई, दीपिका दीदी दामाणी आदि सभी अर्हम सेवकों ने मिलकर सफल बनाया।

॥ श्री गणेशाय नामः ॥

शुभविवाह

चि.सौ.कां.
नेहा

सौ.आशाताई श्री.दिगांबरराव साहेबराव लोखंडे
रा.मुडाणा ता.महागांव जि.यवतमाळ
यांची जेष्ट कन्या
कै.साहेबराव चिमणाजी लोखंडे
यांची नात

卐

चि.
अभय

सौ.माधवी श्री.राजेशराव बाळकृष्ण सुळे
रा.मु.पो.अमरावती छाया कॉलनी
यांचे जेष्ठ चिरंजीव
बाळकृष्ण सुळे
यांचे नातु

●हळद समारंभ●
शुक्रवार दि. १३/१२/२०२४

●विवाह समारंभ●
शनिवार दि.१४/१२/२०२४
दुपारी १२ वा. ३० मी.

RB PHOTO STUDIO 7709373065

विवाह स्थळ- शंकुराज मंगलम,मोटरवार लॉन फुलसांगी रोड महागांव

BJS
NATIONAL CONVENTION
PUNE 2024
BJS
NATIONAL CONVENTION
2024
30 NOV - 01 DEC

2024
30 NOV - 01 DEC

BJS

BJS

BJS
BJS NATIONAL CONVENTION PUNE 2024
SHRI RAJENDRA LUNKI

BJS
NATIONAL
CONVENTION